'सत्कर्म कभी भी व्यर्थ नहीं जाता'

भागवत कथा ● श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता प्रसंग और चरित्र वर्णन के साथ हुआ समापन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सुदामा का द्वारकाधीश के पास आना और मित्र का स्वागत स्वयं पग धोकर करने के वृत्तांत का मंचन आनंदम क्लब एंड रिसोर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन मंगलवार को हुआ। भक्ति, विश्वास, वात्सल्य, करुणा और मित्रता की बात यहां बहुत ही सुंदर ढंग से न केवल समझाई गई अपितु मंचन के जरिए उसने भक्तों को भावविभोर भी कर दिया। वंदना श्रीजी ने श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र की व्याख्या भी की और सप्ताहभर से जारी कथा का सार भी सुनाया। उन्होंने कहा कि जीवन में किया गया सत्कर्म कभी व्यर्थ नहीं जाता।

वंदना श्रीजी ने कहा कि जिस दिन से परमात्मा मनुष्य के जीवन में आ जाते हैं, उस दिन से ही आनंद की प्राप्ति होने लगती है। व्यक्ति को किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखना चाहिए। कर्म ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाते हैं। जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमें संतुलित होना होगा। वास्तव में अति को ही विष कहते हैं और जीवन में अति कभी नहीं करनी चाहिए। गोमाता की रक्षा करना हर मनुष्य का कर्तव्य है। हर मनुष्य गोसेवा का संकल्प लेना चाहिए। कथा के दौरान भजन भी सुनाए गए जिसपर भक्तों ने नृत्य भी किया। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि व्यासपीठ का पूजन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक आकाश विजयवर्गीय, खातेगांव के विधायक आशीष शर्मा, विष्णु बिंदल, बालमुकुंद सोनी ने किया।

आनंदम क्लब एंड रिसोर्ट में भागवत कथा में उपस्थित श्रोता। ● सौ. संस्था

मल्हार गार्डन में हुई श्रीमद् भागवत कथा में आरती करते श्रद्धालु। ● सौ. संस्था

मल्हार गार्डन में भी आयोजन

इंदौर। स्वाभिमान संस्था की ओर से मल्हार गार्डन में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग का वर्णन किया गया। पंडित रुद्र देव त्रिपाठी ने भगवान और भक्त के बीच के संबंध की व्याख्या की। संस्था के अध्यक्ष दिनेश मल्हार, सुरेश शर्मा, रामस्वरूप पटेल, डा. सचिन शर्मा, विक्रम मल्हार, समंदर पटेल, भूपेंद्र गुर्जर, डा. कृष्णकांत धाकड़, विवेक मेहता मौजूद रहे।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र का मंचन करते कलाकार। ● सौ. संस्था